



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 442] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 7, 1976/आश्विन 15, 1898

No. 442] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 7, 1976/ASVINA 15, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October 1976

S.O. 657(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (2) of section 5 of the Khadi and Other Handloom Industries Development (Additional Excise Duty on Cloth) Act, 1953 (12 of 1953), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Khadi and Other Handloom Industries Development (Exemption from Payment of Excise Duty) Rules, 1975, namely:—

1. (1) These rules may be called the Khadi and Other Handloom Industries Development (Exemption from Payment of Excise Duty) Amendment Rules, 1976.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of March, 1975.

2. In the Khadi and Other Handloom Industries Development (Exemption from Payment of Excise Duty) Rules, 1975, in rule 2, for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided further that nothing contained in this rule shall apply to processed rayon or artificial silk fabrics falling under Item 22(1) of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), which are exempted from the duty of excise leviable thereon under the said Act.”

[No. F. 15012/4/75-Tex.IV]

R. RAMAKRISHNA, Jt. Secy.

(1905)

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1976

का० का० 657(अ).—केन्द्रीय सरकार खादी और अन्य हथकरघा उद्योग विकास (कपड़े पर अतिरिक्त उत्पादशुल्क) अधिनियम, 1953 (1953 का 12) की धारा 5 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खादी और अन्य हथकरघा उद्योग विकास (उत्पाद शुल्क के संदाय से छूट) नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खादी और अन्य हथकरघा उद्योग विकास (उत्पाद-शुल्क के संदाय से छूट) संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये 1 मार्च, 1975 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. खादी और अन्य हथकरघा उद्योग विकास (उत्पादशुल्क के संदाय से छूट) नियम, 1975 के नियम सं० 2 के द्वितीय परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि इस नियम में अन्तर्विष्ट कोई बात केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद 22(1) के अन्तर्गत आने वाले संशोधित रेयन या कृत्रिम रेशमी कपड़ों को, जिन्हें उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पादशुल्क से छूट प्राप्त है, लागू नहीं होगी।”

[सं० का० 15012/4/75-टैक्स-IV]

आर० रामकृष्ण, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मूद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976